

[illegible]

वर्मषष्ठमूदा॥ ॥ छद्दिगंवीजंवीनध्वनक्षयक

द्विचक्रमहावीनवीनाश्चक्रवर्णमन्त्रवीनवीन

स्वयं भुंक्तुं यि स यन संभावधना ॥ १० ॥ गगगुं नि

॥ उच्यते ननु वक्ष्येति ननु नृणां भावाद्वाच्यं नृणां लक्षणं

पिंगलक ॥ ५ ॥ ॐ गद नू कं पा कृ पा गुरु द वी २

दुःखमात्रविघ्ननासनीद्वी॥ ॥ यज्ञतयनोद्धी

सिद्धमालाश्वमेकचक्रिकयालनीलोत्पला॥

॥ ॥ व्याघ्रवर्मवसुपुत्र्यालिहाश्ववर्जम्भा

五十二

दशमवाकाना॥ ॥ चतुष्टयमवधायी उर्गनायुक्तिमाणा
 शूनयिभूमायवशगीनचत्रिणा॥ ५६७ ॥ वागमा
 चव॥ वकीधायीवनायीचछात्रिर्भिषिनीयाषिनी
 गंवृकडलूकिलि॥ ५८ ॥ तमामित्रीयभांम्वचस्त
 म्वत्रीयारुद्रिहितउदवीदिरुवनपयिस॥ ॥
 पूर्वउरुनपम्बिमदक्षिदिगंदवीरुकिदीदी
 पिनीचउसिकवाऊनी॥ ॥ चतुष्टयदिगाडुमरुत
 रुदवीशुद्रिनिनउदवीनाचकिदवी॥ ॥ हविह
 नवंकातुदुमसूचगारुधरधादभयानिनीसमचसं

हवि॥ ५६७ ॥ ॥ रागललिक॥ विषयशविन
 पवनसंथागः कालयिचन्द्रावयिनाहिकमल
 श्रुदहयिद्रिनविष्णुगमिमवयिसूचनवऊकि
 मिगाहासयभामसयवं॥ ५९ ॥ नममंरुधा
 षं. कालचक्रः रुवऊसम्यवविश्वरूपं शपयि
 पदमसंथागसंरुवनिश्वनासहजानन्दमयः
 हानरूपं॥ ॥ वरुपर्यक्षसनकूकमानूधन
 वनामसंगीतिभूक्षात्यम्भनरुऊगतदृष्टवनाग
 नधाधिरुलदायकं. थागधर्मभावरुवहिर्यं॥
 ॥ ॥ गुनवाकदृढधदियाअधपवनकृतिंय.

ममिमकृत्तचन्द्रउकादिधविद्या २ चउचक्रपाउमः
 लिलपचमध्वनीसूर्यरुमिभानूवावाहुरुवर्न
 ॥ ॥ स्वप्नमायासदृशरावपत्रिरावना. वृद्धः
 धर्मसंप्रदायनागमीये २ गुनवर्नमिभगनः
 धविद्यागभवतिसूत्रमवक्रुत्तमरुत्तमभानूवृद्ध
 मवर्ण ॥ ६३ ॥ ॥ नागललिक ॥ मूर्त्तिपंचनश
 मंरुक्रमाना २ ममधवकिवधसंकाशयहा ॥ ६४
 ॥ यवपीमंरुपाचंडुवनयापिका २ हृष्टारवक्रव
 वदहिनकवधविना ॥ ॥ वामपूरुक्कधवपी
 गुनवाया २ पप्रप्रकाशनयहा ॥ ॥ दहिनवा

मकवधनगवधानी २ वउवमानदर्पवाधप्रहा.
 ना ॥ ॥ रुगननपालनाथप्रमूर्दिनरुदया २
 अहिमरुसूरवरुलवलप्रसादा ॥ ॥ ६५ ॥ ॥
 नागधनापी ॥ गरुमूर्त्तिनयनकादवपदन्
 न्याधिपमूर्त्तिगरुधना २ मनिमूर्त्तिवत्तारुवध
 ननृशिकिवधसंकाश ॥ ॥ माविद्याविष्णुमा
 विद्यादर्पमाविद्यादृष्टवविनाशिक २ माविः
 यामानामानसकृताः भववपददृष्टवविनाः
 शिका ॥ ॥ पनगुवाधोक्रुशवक्रवक्रहिंदिया
 वदहिनकना २ मृगलधनूरवद्वागवत्यनकन

निवाम ॥ ॥ विचित्रवक्त्रकंचुकटिधमः रुद्रः
 युक्तमभिमन्दिता २ लम्बाद्वनवधकलंधाद्व
 २ गगनापायनमिनिविनिविवाङ्ग ॥ ॥ वत्सा
 नवधकनवाहलिकामृत्तिकमृत्त्वञ्जुनिसूक्त
 ना २ दिनावद्वारुमसूत्रदाता नभासु २ ग
 धाधिपति ॥ ॥ ६० ॥ वागकादि ॥ पंचकपाल
 धविधमोलीपंचहानपंचमूडा रुद्रध २ नवमि
 वमालापीव २ गगना व्याघ्रवर्मकटिरुधिका ॥
 ५ ॥ ॥ ६१ ॥ कावसंज्ञकवदना चर्वलम्बाद्वनी
 लसमदहा काधधिपथीमहाना २ पंचामन

वसदप्यरुनयिया शायनवक्त्रकपालधर्व
 ॥ ॥ वक्त्रप्रभालाडीतिनयना धावकयंक
 गालीधमवदना २ उर्ध्वप्रकलिकापिंगलक
 ॥ ॥ ६२ ॥ उलमरुरुसाकवृत्तमय ॥ ॥ कर्हि
 कपालाधविधरवदांग नागभरुवधककुधुल
 हाना २ नागनिवशि भोपूवनागञ्जुना
 गरुवधर २ गगना ॥ ॥ ६३ ॥ जिनववभोविध
 त्रिधमना वृद्धगसनसावककवीना २ प्रभा
 वृधनाधुवरावा ॥ ॥ ६४ ॥ सुककुलिग ॥ ॥ ६५ ॥ अनुरुव
 मवध ॥ ॥ ६६ ॥ वागमधुमरु ॥ ॥ ६७ ॥ मधुविष्

पुस्तक संख्या १०

उपमा इयनि कुलाला २ सकल दवग भवंदि
कपा दं ॥ ५॥ भेडी आदि वृद्ध श्री मंरु कमाना
२ संजहिवंदि कप पनरु धुधना ॥ ॥ कुंक
मनुचिना सनुचिन विषमा २ नूत्या निगंहीना
कनुन विहाना ॥ ॥ विषय विषम कुलपानं
गमनस २ विषय व्यापिन आगुह स्वयं ॥ ॥
सक गुन पनमाय विंदु जाना २ गव निगव
भीरु प्रसव कुलिभा ॥ ॥ ५॥ नाग रेवरी
॥ पूर्व विज्ञाय सी हंस मानूटा कनक वर्ण
रुसु उधवा २ उरु न माह मनी वषवाह

न. चउ धव व डिमूल मयूच धवा ॥ ५॥ हुं
हं अरु मम न. नीलवान साहिना अरु
नवग भप नि सहिता २ अरु आदि अमन
भाक प्रशाना. सुमन पाप हरु ॥ ॥
पविम इद्राय सी हस्ति वाहान. कुंकुम वर्ण
वज्र हस्ता २ दक्षिण बावाही घन धातु रूपं
संकुश सहि क माहि पावुटां ॥ ॥ ५॥ मन
वधिका दवी क मवर्ण हा. कव निव काल उ
मनु सहिता २ अरु नदिना. को मावी मयूच
वाहान व कुलाहा सुवर्ण गति हस्ता ॥ ॥

नेमस्यविष्णुवीदवीगन्तुवाहनः गजचक्रसहितमय
 वधावी॥ वायुयचामुष्मादवीककावसवीचाः सिंहवा
 हनत्वभधावी॥ ॥ अथ कूलनागाधो वनिपादि
 नकत्रपालनवदूर्गदवी २ प्रथमामिथीमात्राधि
 पात्रकुण्डलिमूगुनियस्यसिद्धिकवर्ज ॥ १०० ॥ ना
 गहेनवि॥ नमामिशक्तिनधातुकचक्षुकचकुचमू
 र्गुनिशालिगिना २ पंचसूतपंचधनुस्वयंपाव
 धधर्मभालयस्वना॥ ५॥ नताहृहृ २ ऊगाह
 सीसात्रुधाययमनाहननमाकु २ पंचजिन
 स्वना॥ ॥ नमामिशक्तिपूजन्धनमद्विहि

नमामिशक्तिनकाकु २

द्विवचपदायनी २ द्विनिहृदयसर्वपापकृत्यं
 कदानयुष्मज्जमाहृप्रदी॥ ॥ नमामिश्वर्म
 धातुवागीश्वनधादमहावयविर्मधुना २ धाद
 मनात्रधवृक्षमूनकाजासर्वदवयविर्मधुना
 ॥ ॥ नमामिवागीश्वनर्मधुतपमगिनिनि
 वासिना २ सस्वहिमाहिनदूधवविनागितपध
 मामिजिनचक्रं धना॥ १०० ॥ ॥ नागनाद
 ॥ नमामिशक्तिनपंचधर्मधातुस्वयंकु २ द्विद्वन
 अनुरुचधर्मधातुवागीश्वन ॥ ५॥ नमामिश
 क्तिनपंचजिननमाकु २ द्वागुरुमिहाकिंमहा

नमामिशक्तिनकाकु २

सूर्यवाया ॥ ॥ स्वर्गमर्षपातालकुवनधीर्क
 धाकल २३ चउनिबंरुनमहामूनिधवा ॥ ॥
 धर्मभीमिहृहानभीमिहं २ नपालमधुल
 माभसूनास्ववृषी ॥ ॥ वामपूरुधनधवा
 २ दहिनकीरुवज्जगवधावी ॥ ॥ श्रीलाक
 धनमधुलमहासूर्यवाया २ वाजाधिराज
 श्रीनयसुमधुवदव ॥ ॥ श्रीवजाचार्यबंध
 दरुआचार्य २ रुनयिवाक्वज्जुडिलाचनिना
 ॥ ॥ ॥ ॥ वागभृगमानभी ॥ दिउज्जकम्
 खनरुवर्धुडिनडा २ मूकटकभदिगमवा ॥

दिउज्जकम्

क॥ कनारुंरुं कनारुंरुं २ कनारुंरुं ॥ ॥
 वामकवाटकदहिनकविनि २ हाठारुनध
 सूर्यभरिता ॥ ॥ सूर्यमधुलमाभाताकुवम्
 वृनि २ वज्जमधिरुविरुषिता ॥ ॥ सगगुवच
 वलभिरगकधवा २ वज्जवावाहीउंरुपायभन
 ल ॥ ॥ ॥ ॥ वागविहास ॥ दिउज्जकम्
 वरुवर्धु २ नग्नमूकटकभदिगमवा ॥
 ॥ ॥ नमादयीवृद्धाकिनीविश्वजननी २ डि
 कुवनव्यापिरुजिनहानदायनी ॥ ॥ दहि
 नकनवज्जविवासिरुदग्धकि २ वामकवाट

दिउज्जकम्

कचकुम्भनिर्सीपीवयि॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 माध्यादिद्यानगमनश्चलभोपुत्रववस
 कर्मप्रवसिता॥ ॥ श्रीविद्याधनीदेवीसूत्रन
 वमहिना २ सकलजडिस्त्रिद्विहभमाका
 ॥ ॥ ६॥ नागमन्त्राद॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 कुरुआलंकरा २ चतुर्भुजवक्रपुष्पकधन
 धनधानी॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
 श्रीधवा २ सयनआसापनिपूविकउद्याना
 ॥ दहिनगगधपनि. वामश्रीमहाकावा २
 सगममधुलमाधप्रकलिरुस्थिता॥ ॥

सहिसंहानवायाविश्ववापिना २ अरुम
 हारुयवक्रव्याधिरुविकहनसा॥ ॥ वज्रध
 वप्रसादा. दासहनयिया २ गुरुववधभात्र
 सिद्धिववप्रसादा॥ ॥ ६॥ ॥ नागकनदि॥
 श्रीमंरुनाथवलमहावीनविजया २ चतुर्भु
 सरवक्रधनीनागवासुदेहस्थव॥ ॥ ५॥ नमो
 मिश्रीमंरुक्रमाना २ जगदीश्वनजगन्गुन
 कुवनव्यापिना॥ ॥ पुष्पकधनशुरुपन
 मगुनवाया २ श्रीधर्मधनुस्थान. नयालम
 मुलआलंकरा॥ ॥ जगन्नाथजगन्नाथ

प्रह्लादसूक्तम्

उदयनाथः

जिनवनरुनयनि १८

॥ ३५ ॥ त्रिधा गमनि वन्धिया विभुवर्तनया नयद
वप्रथमा मित्रगमनला कश्चिद्वं श्मिद्धा यागी
वन्द्यरूपविक्रमनाया रुवं पतिवृत्ता मधिन
प्रत्यक्षं ॥ ॥ वाडिकमलविकाशितवधि
यात्र वामकमलहाथे शुक्लसूत्रमवन्त आग
क्रूरनाभिद्वन्द्वैरुह्य हवत् ॥ ॥ रूर्करुण
वक्तिका यारुक्तिनमामि श्रीबृगमनला कश्च
नयदा २ नमामि २ श्रीनयद्यदा स्वर्गमर्त्यः
षालानयदा ॥ ॥ दशरुमिद्धादिशङ्खलक्षण
धवा अन्नगरुवनत् २ श्रीजूमिहारुणिदेग

शुद्धि
२०

नयनीयाशीलाकम्पवधगति॥ ॥ ८७ ॥
वागललित॥ ॥ काल्यादिव्यस्थितः अक्रूर
मिथाममिनासिद्धिआलिंगमिद्धिउवनं २
पर्वलम्बादनकलितरुंकावाअसृतागरु
वमकर्मचवध॥ ५ ॥ असृतरुयहनर्तसूत्र
दृष्टनादनमानवलमथनपापहनर्त २ विवि
धिविपुखधुनंविप्रकुंदनंइत्यादिदमदिगजा
शनं॥ ॥ दहिनकर्हिधनप्रचधुडीमिलाव
नंदयमनसासूम्हिगमं २ वामखड्गंगवन
वृक्षकपाला-रुवसमृद्धसागत्रमंउपानं॥ ॥

मायाकाव २१

पानकन्दुवृवीवअट्टहसंविंदुवकुदंष्ट्राक
बालवदनं २ व्याप्रचर्मनिवसननवमृष्टमाः
ला-अलिवलितवानमद्धिथलदं॥ ॥ गम
वकिसूत्रवज्जगुन्नलवधन-दृष्टरावनाशनं
माननन २ वृद्धधर्ममसनसंघपविबक
धीमहाकावकवपादशवर्ष॥ ॥ ८८ ॥ वाग
दमन॥ मायाकालविंदुसदृशशवीवाशमा
हमानदर्पकादिप्रमायामाह॥ ५ ॥ असंसाव
असाव २ वागद्वेषमाहकादिप्रनिवसासा॥
॥ ॥ अनिमिषनयनदृष्टधिया २ रुन्ममयी

५५५५

बेद्यप्रसूति

२कवंकरेववावरुमघा.सबसिऊनागचूक
 वृक्षा॥ ॥अहहहामाभीखपालनाग.प्रवधुम
 घावरुमहिबूहा २लकीवाना.कवरुवृक्षा.पू
 निरुमघामहापद्मा॥ ॥घावाभममभनप्रक
 टिबूकाभनकनाग.प्रवधुमघा २विलिकिलि
 लाववाअर्जुनवृक्षा.कलिकनागवर्षसमघा॥ ॥
 घादमउजाघादमउवनवउर्वकवदनाघादम
 नयना २रुनयिकर्धपावाखरुमवध.कालिवा
 जीविपूवापयिमदना॥ ॥००॥ वागभूवना॥
 धूम्रांगविबहुकवालि २रीषमधिगलकभव

नाग.मधुमन्॥ काल.इर्जमान॥ प्रमृदिनादिदमरुमीसुं
 दविसन.भवमधुलसीस्थिरलयना २ वादमरुजवउ
 वदनहसाहिमा.वजवावाहीक १४ आलिंगम॥ ५॥
 रुंरुंरुंदहदिहसुवध.मानसयवसंधाधियाव २दंश
 आलिंगमअदयसंलाव.नाचयिदान.पीसमचलाया
 ॥ ॥ कलिंगपध.गजचर्मकुपूला.करिउमवसुख
 रिता २मर्कटकीकपालखर्चोरा.पाशपवसुवृक
 मिधुधवा॥ ॥ यभजिनववमकूटआलंकन.पड
 मूजाआरुवधविरुचिना २ आलिकालिदूयीआलीठवा
 पयी.वापुचर्मनिवासनरुहृरु॥ ॥ नवगीलमाला
 लम्बश्रीसचवादिन्यवकजीनिकरुनहीया २ रुमरुम

५६

2849

योगः ॥ १ ॥
यक्रुतीद्वयः ॥ १ ॥
मिश्रपंडुनिमामकीद्वी ॥ १ ॥
रुगुनसंसारपनिपाविना ॥ १ ॥
रुगुनरुगुन ॥ १ ॥
॥ ॥ ॥ ॥
विचारविचार ॥ १ ॥
मिश्रपंडुनिमामकीद्वी ॥ १ ॥
रुगुनसंसारपनिपाविना ॥ १ ॥
रुगुनरुगुन ॥ १ ॥
॥ ॥ ॥ ॥

2849

याग्रं राघमधुलमूरुमं ॥ २ ॥ सर्वलक्षणसंपूर्णं सर्वा
लक्षणवर्जितं ॥ समनरुडवाचाग्रं घोषमधुलसाव
धी ॥ ३ ॥ सर्वसत्त्वमहाचित्तं स्रुजं प्रकृतिनिर्मलं ॥ स
मनरुडचिरुपराघमधुलमूरुमं ॥ ४ ॥ संपूर्णं स
र्वजगत्तमनावधपदं सर्वनवाभादिनाः पित्वा सर्व
विकल्पमाहकवर्णजाकिनीहृत्काकिनाः यः चक्रं
पवित्रं हृत्किनयुतहानादयमाहपदं यस्यात्तस्य
रूपाहुनहस्यमनसानिस्पृष्टसंस्थयवह ॥ ५ ॥
रश्मिनां कमलपदस्योभिवसिकचपुगेडं वक्रं स्कंधमो
ली वजादिव्यगुपापी पविगहनमिव संसीर्षमालेडमो
॥ वावाक्काग्रं दिकं यद्यनविवरुविकानागचर्माह
नीयपायापी संवनात्तुडुवनविजयी जाकिनी चक्रवर्ती ॥ ६ ॥

यन ॥ ७ ॥ हुं हयिरुं हृदकनं कवरस्य नानाविहा
वाभोडमहाबलि पूजा ॥ ॥ समयानरुं हुयागं
ववयवा २ वाहुविवाहुवचउमुखनयना ॥ ॥
सिक्तयकनककुडावलि रश्मिराशु प्रसिक्तवकस
माकुलवयन ॥ ॥ भोडमहाबलि पिरुवनग
यन २ मयमात्मकवृधिवज्राहावा ॥ ॥ ७ ॥
सम्बन्ध ६ न ६ किर्वेभाषक ६ ससिद्धयकारुल ॥

पुष्पादिनामिका

2849

ASHA ARCHIVE

गगनतन्वी॥ मध्येनरसहस्रनीकनकनाजितयुक्तीदिदेहहृत्तजं
द्वियंरभयनरगमदायनीउग्रकुरहवनयैवर्नयचजीन
व्यापियात॥धर॥नमयैवधरवीसहस्रिजातवीसववीस
एतयचवर्ध॥मष्टद्विषानन